हिंदी विभाग

राष्ट्र की उन्नति का सीधा संबंध उसकी भाषा से होता है। आज भारत के सवा सौ करोड़ लोगों को एकता के सूत्र में बाँधने का महत्वपूर्ण कार्य राजभाषा हिंदी द्वारा किया जा रहा है। हमारे महाविद्यालय में भाषा, साहित्य एवं संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य विभाग में कार्यरत प्राध्यापकों एवं विभाग के विद्यार्थियों द्वारा निरंतर किया जा रहा है। विभाग के ८० शोध प्रपत्र देश एवं विदेश की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं एवं ८ पुस्तकों की निधि हिन्दी विभाग की है।

प्रत्येक वर्ष विभाग द्वारा साहित्य मंडल की स्थापना की जाती है। शैक्षणिक यात्रा का आयोजन किया जाता है। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए विभाग द्वारा वक्तृत्व,निबंध, शुद्धलेखन, काव्यवाचन प्रतियोगिताएँ रखी जाती हैं। विद्यार्थियों द्वारा साहित्यकारों पर बनाई गई 'उदय' दीवारपत्रिकाएँ विद्यार्थियों के लेखन को बढ़ावा देती है। प्रत्येक वर्ष महाविद्यालय के चेतना वार्षिकांक में हिंदी विभाग के विद्यार्थी कहानी, कविता, आलेख लेखन द्वारा अपने विचारों को अभिव्यक्त करते हैं।

हिंदी विभाग भाषा और साहित्य ज्ञानार्जन तक ही सीमित नहीं है अपितु विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा विभाग के विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व को निखारते रहे हैं। प्रत्येक वर्ष १४ सितंबर को हिंदी दिवस उत्साह के साथ मनाया जाता है। विभाग में प्राचार्य डॉ. शहाबुद्दीन शेख लोकसेवा महाविद्यालय, औरंगाबाद, डॉ बलिराम धापसे, विनायकराव पाटील महाविद्यालय वैजापुर, डॉ शकुंतला पांचाल विवेकानंद महाविद्यालय, औरंगाबाद, डॉ.सुलक्षणा जाधव देवगिरी महाविद्यालय, औरंगाबाद, डॉ.भगवान गव्हाड़े डॉ बा.आं.मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, डॉ अब्दुल कदीर साहब सं दै. भास्कर, श्री अमिताभ श्रीवास्तव सं. दैनिक लोकमत समाचार, श्री सूर्यकांत दाणेकर कीर्ति प्रकाशन औरंगाबाद, डॉ.अपर्णा पाटील प्रतिष्ठाण महाविद्यालय, पैठण आदि अतिथियों के व्याख्यान आयोजित किए गए। कबीर, प्रेमचंद, निराला आदि महत्वपूर्ण साहित्यकारों की जयंती का आयोजन विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष किया जाता है। हिंदी विभाग द्वारा २ मार्च २०१५ को 'महिला सशक्तिकरण समस्या एवं चुनौतियाँ' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी

में संपूर्ण भारतवर्ष से शोधपत्र प्राप्त हुए। साथ ही व्याख्यान हेतु हिंदी की प्रसिद्ध साहित्यकार नरेंद्र कौर छाबड़ा, डॉ.राजकुमारी गड़कर, डॉ.भारती गोरे, उपजिलाधिकारी अंजलि धानोरकर आदि उपस्थित थे। साथ ही दि.२ फरवरी २०१६ को 'वैश्विक पर्यावरण समस्या चुनौतियाँ एवं समाधान' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया एवं पुस्तक का विमोचन किया गया। इसके संपादन मंडल में थम्मासॉट विश्वविद्यालय बैंकॉक से डॉ.करूणा शर्मा, कॅनडा से अनिल पुरोहित, अमेरिका से सुषम बेदी, ब्रिटेन से नीना पॉल, तेजेंद्र शर्मा, आदि विदेशी साहित्यकारों का योगदान प्राप्त हुआ। भारत ही नहीं अपितु विदेशों से भी इस संगोष्ठी हेतु प्रपत्र प्राप्त हुए।

इस तरह कला वरिष्ठ महाविद्यालय में हिंदी विभाग, हिंदी भाषा की समृद्धि हेतु प्रतिबद्ध है और निरंतर कार्यरत रहेगा।

धन्यवाद ।

उद्देश्य :

- ग्रामीण विभाग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करना।
- हिंदी साहित्य के माध्यम से ज्ञान की वृद्धि के साथ-साथ विद्यार्थियों में साहित्य, संस्कृति एवं कला के प्रति रुचि जागृत करना।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीय, नैतिक, मानवीय मूल्यों को जागृत करना।
- लेखन तथा भाषण कौशल का विकास करना।
    - विद्यार्थियों को वाचन, पठन, मनन के लिए प्रेरित करना।
    - विद्यार्थियों को विचार अभिव्यक्ति हेतु सक्षम बनाना एवं साहित्य सृजन के संस्कार देना।

लक्ष्य :

- विभाग में शोध केंद्र स्थापित करना।
- हिंदी साहित्य से संबंधित विद्वजनों के व्याख्यानों का आयोजन करना।
- विद्यार्थियों को लेखन के प्रति प्रेरित करने के लिए एवं अनुवाद कार्य आगे बढ़ाने हेतु नवलेखन शिविर एवं अनुवाद कार्यशाला का आयोजन करना।
- दृश्य श्राव्य माध्यम एवं संगणकीय प्रणाली द्वारा इंटरनेट के प्रयोग हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित करना। ताकि वे साहित्य से संबंधित अद्यतन जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकें।
- विभाग की ओर से विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पुस्तकें एवं पत्र-पत्रिकाएँ उपलबध कराकर देना।